ओ३म्

अखिल भारतीय योगसूत्र वाक् स्पर्धा

प्रथम राष्ट्रीय पातंजल योगसूत्र प्रतिस्पर्धा-2021

(महर्षि पतंजलि पुरस्कार)

शास्त्रबोधार्थम् २०२१

अथयोगानुशासनम्

21 जून - 24 जुलाई 2021

आयोजक

मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर
तथा
अग्निमन्दिरम्-वैदिक अनुसन्धान परिषद्

सह आयोजक

कविकुलगुरु कालिदास संस्कृत विश्वविद्यालय, रामटेक
श्री सोमनाथ संस्कृत विश्वविद्यालय, वेरावल

www.mlsu.ac.in

आयोजन समिति

मुख्य संरक्षक

प्रो. अमेरिका सिंह
कुलपति
मो.सु.वि.वि., उदयपुर

प्रो. श्रीनिवास वरखेड़ी
कुलपति
क.का.सं.वि.वि., रामटेक

प्रो. गोपबन्धु मिश्र
कुलपति
श्री सो.सं.वि.वि., वेरावल

संरक्षक

प्रो. ईश्वर भरद्वाज
अकादमिक अधिष्ठाता देवसंस्कृति वि.वि. हरिद्वार

प्रो. पूरणमल यादव
छात्र कल्याण अधिष्ठाता एवं अध्यक्ष क्री. म., मो.सु.वि.वि. उदयपुर

निदेशक मण्डल

डॉ. ईश्वर वी बसवारेड्डी
निदेशक, मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान, आयुष मन्त्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली

प्रो. सुरेश वर्णवाल
अधिष्ठाता-विभागाध्यक्ष, योग विज्ञान एवं मानव चेतना विभाग, देवसंस्कृति वि.वि, हरिद्वार

प्रो. सोमदेव शतांशु
विभागाध्यक्ष, संस्कृत विभाग, गुरूकुल कांगड़ी वि.वि. हरिद्वार

डॉ. आनन्द बालयोगी भावनानी
अध्यक्ष, आनन्द आश्रम, पॉन्डीचेरी एवं निदेशक सी वाय टी ई आर, पॉन्डीचेरी

समन्वयक

डॉ. दीपेन्द्र सिंह चौहान
समन्वयक, योग केन्द्र, मोहनलाल सुखाड़िया वि.वि. उदयपुर

सलाहकार समिति

प्रो. सुरेन्द्र कुमार त्यागी
विभागाध्यक्ष, योग विभाग, गुरूकुल कांगड़ी वि.वि. हरिद्वार

प्रो. गणेश शंकर गिरि
अधिष्ठाता-विभागाध्यक्ष, हरिसिंह गौर केन्द्रीय वि.वि. सागर

प्रो. महेश सिलोड़ी
लालबहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत वि.वि. नई दिल्ली

डॉ. कलापिनी अगस्ती
विभागाध्यक्ष-योग विभाग, कविकुलगुरु कालिदास संस्कृत वि.वि. रामटेक

डॉ. सत्यप्रकाश पाठक
योग विभाग हि. प्र. वि.वि. शिमला

डॉ. विनोद नोटियाल
हे. न. ब. गढ़वाल केन्द्रीय वि.वि. श्रीनगर गढ़वाल

डॉ. संजय सिंह
सहायक आचार्य, पतंजलि वि.वि. हरिद्वार

डॉ. जानकी शरण आचार्य
सहायक आचार्य, श्री सोमनाथ संस्कृत वि.वि. गुजरात

प्रतिस्पर्धा परीक्षण समिति

प्रो. कृष्णकान्त शर्मा
आचार्यप्रवर, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, बनारस

प्रो. मधुसूदन पेन्ना
अधिष्ठाता, भारतीय दर्शन विभाग कविकुलगुरु कालिदास संस्कृत वि. वि., रामटेक

डॉ. हरीश चन्द्र गुरुरानी
शोध अधिकारी, उत्तरखण्ड संस्कृत अकादमी, उत्तराखण्ड सरकार, हरिद्वार

डॉ. सुधांशु कुमार सारंगी
विभागाध्यक्ष, वीवीबीआईएस एवं आई एस पंजाब वि. वि. होशियारपुर

सहायक परीक्षण समिति

डॉ. कामता प्रसाद साहू
सहायक आचार्य, योग विभाग देवसंस्कृति वि.वि. हरिद्वार

डॉ. यतीन्द्र दत्त अमोली
सहायक आचार्य, योग विभाग देवसंस्कृति वि.वि. हरिद्वार

श्री रामा आर्य
रामकृष्ण मिशन विवेकानन्द एजुकेशनल एण्ड रिसर्च इन्स्टीट्यूट, हावड़ा (पं.बंगाल)

आयोजन सचिव

मनोज विश्नोई
मो. न. : 86198 83640
ई-मेल : saran25794@gmail.com

आयोजन समिति सदस्य

श्रीमती मीना जैन शोधार्थी, मोसुविवि, उदयपुर
श्री जसवंत मेनारिया शोधार्थी, मोसुविवि, उदयपुर
श्रीमती पलक जैन शोधार्थी, मोसुविवि, उदयपुर
श्रीमती सुचेता चौहान शोधार्थी, अग्निमन्दिरम्, उदयपुर
श्री पुष्पदीप प्रजापत शोधार्थी, कैवल्यधाम लोनावला
सुश्री किरण सनवाल शोधार्थी, अग्निमन्दिरम् हल्द्वानी
श्री प्रदीप कुमार शोधार्थी, एसकेडीयू हनुमानगढ़
सुश्री चेताली चौहान शोधार्थी, मोसुविवि, उदयपुर
श्री खिलेश साहू राँची विवि, राँची

उद्देश्य

महर्षि पतंजलि द्वारा रचित योगसूत्र योग का एक आधारभूत ग्रंथ है जिसका स्वाध्याय योगाभ्यासियों के लिए महत्त्वपूर्ण एवं उपयोगी है। योग दिवस तथा गुरु पुर्णिमा के शुभ अवसर पर योगसूत्र पर अखिल भारतीय स्पर्धा का आयोजन किया जा रहा है जिसका मूल उद्देश्य योग के यथार्थ स्वरूप को प्रकट करना तथा शास्त्र ज्ञान परम्परा को विकसित करना है।

प्रतियोगिता विषय

» पातंजल योगसूत्र (कंठस्थीकरण - व्याख्यान - तत्त्व विवेचन)

» व्यास भाष्य - भास्वती टीका (व्याख्यान एंव तत्त्व विवेचन)

नियमावली

* प्रतियोगिता त्रिस्तरीय रहेगी ।
* प्रथम स्तर केवल योगसूत्र कंठस्थीकरण का रहेगा।
  » इसके अंतर्गत योगसूत्रों की स्मरण क्षमता (40% अंक), उच्चारण की स्पष्टता (30% अंक) एवं प्रस्तुतीकरण (30% अंक) के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।
  » प्रथम स्तर में न्यूनतम (50% अंक) प्राप्त करने वाला प्रतिभागी ही द्वितीय स्तर में भाग ले सकेगा।
* द्वितीय स्तर सूत्रों पर व्याख्यान सामर्थ्य का रहेगा।
  » इसके अंर्तगत योगसूत्रों की स्मरण क्षमता (30% अंक), योगसूत्रों का शब्दार्थ-भावार्थ (30% अंक) एवं योगसूत्र पर व्याख्यान (40% अंक) के आधार पर मूल्याकंन किया जाएगा।
  » द्वितीय स्तर में न्यूनतम 50% अंक प्राप्त करने वाला प्रतिभगी ही तृतीय स्तर में भाग ले सकेगा।
* तृतीय स्तर तत्त्व विवेचन, प्रश्नोत्तरी एवं शंका-समाधान का रहेगा।
* इसके अंतर्गत योगसूत्रों की स्मरण क्षमता - योग सूत्रार्थ व्याख्यान (25% अंक), योगसूत्र तत्व विवेचन (50% अंक) एवं प्रश्नोत्तर (25% अंक) के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।
* इस स्तर में प्राप्त अंकों के अनुसार ही श्रेष्ठता क्रम में श्रेष्ठ प्रतिभागियों को निर्धारित पुरस्कार दिए जायेंगे।

मूल्यांकन प्रणाली

प्रत्येक स्तर पर आयोजक संस्था एवं सह-आयोजकों द्वारा निर्धारित तीन विषय विशेषज्ञ निर्णायक रहेंगे जो प्रतिभागियों का मूल्यांकन करेंगे और उनका निर्णय ही अंतिम एवं सर्वमान्य होगा।

प्रथम तीन विजेता भविष्य में होने वाली प्रतियोगिताओं में भाग नहीं ले सकेंगे। उन्हें उनकी इच्छा एंव क्षमतानुसार संस्था द्वारा भविष्य में होने वाली प्रतियोगिताओं के आयोजन में सहयोग हेतु कार्य प्रदान किया जाएगा।

निर्धारित पुरस्कार

प्रथम	15,000 रू.	स्मृति चिन्ह
द्वितीय	10,000 रू.	स्मृति चिन्ह
तृतीय	7,000 रू.	स्मृति चिन्ह
चतुर्थ	2,500 रू.	
पंचम	1,000 रू.	

तथा षष्ठम् से दशम् स्थान प्राप्तकर्ता को 500 रू. पुरस्कार स्वरूप प्रदान किए जायेंगे।
सभी प्रतिभागियों को सहभागिता प्रमाणपत्र प्रदान किया जाएगा।

पंजीकरण प्रक्रिया

इस प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए आपको 100 रूपये का भुगतान करके पंजीकरण कराना आवश्यक है।
पंजीकरण करने के लिए निम्न लिंक पर जाकर गूगल फॉर्म में दी गई सभी सूचनाओं को भरकर जमा कर दीजिए।
https://docs.google.com/forms/d/e/1FAIpQLScZhnTVKvi6lGCw-BDAfpCthJ6FoQxlgF0t2QaNbFEGPyjBA/viewform?ups=pp url

अन्य जानकारी के लिए सम्पर्क करें -
ईमेल : agnimandiram0@gmail.com वेब साइट : www.mlsu.ac.in
दूरभाष : 86198 83640, 82797 48048, 63752 66058

महत्वपूर्ण तिथियाँ

पंजीकरण की अंतिम तिथि : 11 जून, 2021
प्रतियोगिता आयोजन तिथि :
प्रथम चरण 21 से 23 जून 2021
द्वितीय चरण 4 जुलाई 2021
तृतीय चरण 23 जुलाई 2021
पुरस्कार प्रदान तिथि: 24 जुलाई 2021
प्रमाण - पत्र प्रदान तिथि: 15 अगस्त से पूर्व (यथाशीघ्र)

विशेष नोट

कंठस्थीकरण केवल योगसूत्र का ही रहेगा, व्यासभाष्य तथा भास्वती टीका व्याख्यान एवं तत्त्व विवेचन में सहायक ग्रंथ रहेंगे।
योगसूत्रों का उच्चारण वैदिक पद्धति से संधि सहित करना होगा। उदाहरण स्वरूप ''योगश्चित्तवृत्तिनिरोधः'' को ''योगः चित्त वृत्ति निरोधः'' पढ़ना अमान्य होगा।
प्रतिस्पर्धा ऑनलाइन माध्यम से ही आयोजित होगी यदि कुछ परिवर्तन होगा तो उसकी सूचना प्रदान कर दी जाएगी।